

Criticism by Editors' Guild reg. Functioning of AIR and Television

9785. SHRI JYOTIRMOY BOSU:

SHRI RUP CHAND PAL:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Editors' Guild in a very recent meeting has strongly criticised the functioning of All India Radio and Television in that it is acting as a more political tool of the ruling party;

(b) if so, details thereof; and

(c) if so, what action Government propose to take?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI VASANT SATHE): (a) Government have seen the resolution passed by the Editors' Guild of India at its third annual session held at New Delhi on 27th January, 1981.

(b) A copy of the resolution is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-2530/81].

(c) Government do not subscribe to the views expressed in the resolution regarding All India Radio and Television.

आकाशवाणी के संवाददाताओं का सम्मेलन

9786. श्री रामावतार शास्त्री :
क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आकाशवाणी के संवाददाताओं का सम्मेलन 29 और 30 जनवरी, 1981 को दिल्ली में हुआ था;

(ख) यदि हाँ, तो क्या यह सच है कि इस सम्मेलन के समक्ष बोलते हुए

केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के भूतपूर्व सचिव डा० अशोक मित्रा ने कहा था कि आकाशवाणी की समाचार एकत्र और प्रस्तुत करने की नीति दोषा-मुक्त है;

(ग) यदि हाँ, तो उनके भाषण का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उस पर इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसन्त साठे) : (क) जी, हाँ ।

(ख) और (ग). डा० अशोक मित्रा ने अपने भाषण में आकाशवाणी में समाचार वाचन, समाचार एकत्रीकरण के क्षेत्र, रेडियो रिपोर्टर के काम और उनकी रिपोर्टिंग, कुछ समाचार एजेंसियों के कार्यकरण, समाचार असन्तुलन, इत्यादि के बारे में अपने विचार और सुझाव दिये थे ।

(घ) आकाशवाणी अपने विभिन्न कार्यक्रमों, उनके विषय, रूपों कार्यक्रम सूची सहित, की समीक्षा करता रहता है । संगोष्ठी में डा० मित्रा तथा अन्यो द्वारा दिये गए सुझावों पर इस प्रकार की समीक्षाओं में समुचित रूप से विचार किया जाएगा ।

Promotional prospects of officers of Indian Supply Service and Indian Inspection Service

9787. SHRI KESHORAO PARDHI:
Will the Minister of SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in several Government Departments like Defence, P&T, Railways etc. officers are recruited through the same source i.e. Combined Engineering Service